NBT
नवभारत टाइम्स
नई दिल्ली > शनिवार, 27 जनवरी 2018 > माघ 7 शक 1939 माघ शुक्ला विक्रम 2074

अगर नहीं है मैथ्स की तैयारी, पढ़ें चुनिंदा टॉपिक

10वीं के स्टूडेंट्स ना लें बोर्ड एग्जाम की टेंशन

■ प्रमुख संवाददाता, नई दिल्ली

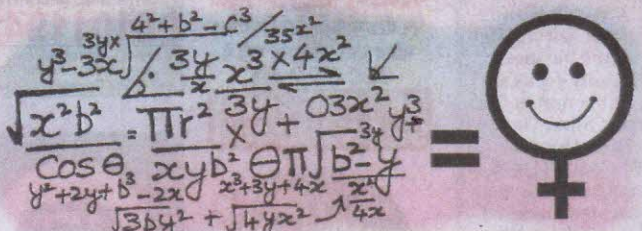

अगर 10वीं के बोर्ड के स्टूडेंट्स को मैथ्स से डर लग रहा है, तो कूल रहें। मैथ्स टीचर्स की आपको सलाह है कि एग्जाम आपको देना ही है और स्मार्ट स्टडी करके अब भी आप अच्छा स्कोर कर सकते हैं। मैथ्स को लेकर बड़ी संख्या में बच्चे परेशान हैं, खासतौर पर वो जिन्होंने प्री-बोर्ड में अच्छी परफॉर्मेंस नहीं दी है। मैथ्स का पेपर 28 मार्च को है और स्टूडेंट्स के पास दो महीना अभी भी बाकी है। टीचर्स का कहना है कि 10वीं के स्टूडेंट्स के पास सिलेबस कवर और रिविजन करने का अब भी वक्त है। जिन बच्चों ने शुरु से अच्छी पढ़ाई नहीं की है, वो भी चुनिंदा चैप्टर्स को पढ़कर अच्छे नंबर पा सकते हैं। बाद में वे बाकी टॉपिक फोकस कर सकते हैं।

फॉर्म्युला का खेल : मैथ्स फॉर्म्युलों पर चलती है और अगर आप इन्हें याद रखेंगे तो दिक्कत नहीं आएगी। डीपीएस आरके पुरम की टीजीटी मैथ्स रुबी भट्टाचार्या कहती हैं, स्टूडेंट्स हर चैप्टर के नोट तैयार कर लें। सबके फॉर्म्युले लिखें और याद कर लें। ये अच्छे से याद होने चाहिए। यहां तक कि अगर किसी सवाल में आप अटक रहे हैं और अगर सिर्फ फॉर्म्युला याद हो, तो उसे लिख लें। उसके भी नंबर मिलते हैं। इसी तरह जियोमेट्री में थ्योरम याद रखें।

जरूरी टिप्स

- सैंपल पेपर की खूब प्रैक्टिस करें
- हर चैप्टर पढ़ने के बाद अपना टेस्ट लें
- पेपर पढ़ने के लिए दिए वक्त का पूरा इस्तेमाल करें
- हर सेक्शन के सभी सवाल एक साथ करें, जो सवाल नहीं आता है, उसके लिए जगह छोड़ दें
- सेक्शन के सभी सवाल साथ करने पर नंबर मिस होने का खतरा नहीं

ये हैं जरूरी टॉपिक : रुबी कहती हैं, कुछ ऐसे टॉपिक्स हैं जो आसान भी हैं और उनकी वेटेज भी है। मसलन स्टैट्स, प्रॉबेबिलिटी और कंस्ट्रक्शंस। इन चैप्टर्स से 14 नंबर के सवाल पूछे जाते हैं। इसी तरह जियोमेट्री से भी 4 नंबर तक के सवाल पेपर में कवर होते हैं। यानी इतना पढ़ लेंगे तो 80 में से 18 नंबर आसानी से कवर हो गए। रुबी कहती हैं, सीबीएसई ने हर चैप्टर में मार्क्स वेटेज दी हुई है। इसके हिसाब से आप तैयारी कर सकते हैं।

पढ़ें चुनिंदा टॉपिक : कई स्टूडेंट्स प्री-बोर्ड में मैथ्स में अपनी खराब परफॉर्मेंस की वजह से परेशान हैं। टीचर्स का कहना है कि ऐसे स्टूडेंट्स को सबसे पहले निराशा और घबराहट को छोड़ना होगा। रुबी कहती हैं, इस वक्त कॉन्फिडेंस बहुत जरूरी है। आप वेटेज के हिसाब से अब चुनिंदा टॉपिक पढ़ें। आसान चैप्टर्स पहले पढ़ें और जमकर तैयारी कर लें। जिन बच्चों का कॉन्फिडेंस अभी कम है, वे टेस्ट की मदद लें।

एनबीटी ने तैयार किया सबसे अच्छा पैनल, हर गाइडेंस मिलेगी यहां

वनिता सहगल
प्रिंसिपल
डीपीएस, आरके पुरम

अमिता वट्टल
प्रिंसिपल,
स्प्रिंगडेल्स
स्कूल पूसा रोड

प्रियंका गुलाटी
प्रिंसिपल एवरग्रीन
सी.से स्कूल,
वसुंधरा एनक्लेव

रोमा पाठक
प्रिंसिपल, एमएम
पब्लिक स्कूल,
पीतमपुरा

ज्योति अरोड़ा
प्रिंसिपल, माउंट
आबू पब्लिक
स्कूल, रोहिणी

डॉ. अरुणा ब्रूटा
साइकॉलजिस्ट
और काउंसलर

सेल्फ स्टडी से मिलेगा ज्यादा फायदा

Q 10वीं की स्टूडेंट हूं। सबसे ज्यादा टेंशन मैथ्स और इंग्लिश की है। तैयारी कैसे करूं? -रिद्धि

इंग्लिश की तैयारी के लिए हर सवाल की वेटेज के हिसाब से ही आंसर में वर्ल्ड लिमिट रखें। बहुत ज्यादा नहीं लिखें। पॉइंट पर फोकस करें और नंबर की वेटेज देखते हुए कसा हुआ जवाब दें। वहीं, मैथ्स में टेंशन लेंगी तो बाकी सब्जेक्ट भी भूलने लगेंगी। सिर्फ यह सोचें की 10वीं में मैथ्स में आपको अपना बेस्ट देना है। भले ही 11वीं में मैथ्स छोड़नी पड़े। फॉर्म्युले पर फोकस करें। अपने टीचर्स की मदद लें और सैंपल पेपर्स के जरिए देखें कि कौन सा टॉपिक ज्यादा पूछा गया है।

Q सिलेबस तो कंप्लीट कर लिया है, रिविजन कैसे करूं, समझ नहीं पा रहा। - आयुष शर्मा

पांचों सब्जेक्ट का रिविजन एक साथ करना होगा। इसके लिए अपनी जरूरत के हिसाब से टाइम फिक्स कर लें। सेल्फ स्टडी करेंगे तो ज्यादा फायदा मिलेगा। हां, जहां प्रॉब्लम आती है, टीचर्स की मदद ले सकते हैं। नींद पूरी लें, सुबह पढ़ाई करें और रात को सैंपल पेपर की प्रैक्टिस।

बोर्ड एक्सपर्ट
अमिता वट्टल,
प्रिंसिपल
स्प्रिंगडेल्स स्कूल,
पूसा रोड

Q 95% मार्क्स लाने के लिए क्या स्ट्रैटिजी अपनानी होगी? -सुहानी मौर्या

सबसे पहले तो आपको परसेंटेज लाने की टेंशन छोड़नी होगी। अपना फोकस सिर्फ पढ़ाई पर करें। फ्री माइंड से जितनी प्रैक्टिस करेंगे, उतनी अच्छी परफॉर्मेंस होगी। टाइम, फूड और स्ट्रेस मैनेजमेंट पर पूरा ध्यान दें।

Q मुझे 10वीं के बोर्ड एग्जाम की तैयारी के लिए गाइड करें। -प्रम्या वर्मा

पेपर लिखने की जितनी हो सके प्रैक्टिस करें। आंसर बुलेट पॉइंट में दें। एग्जाम में टाइम कम भी रहा तो पॉइंट पर मार्क्स मिल जाएंगे। यह जरूर ध्यान रहे कि ज्यादा लंबा लिखने से नंबर नहीं मिलते। इसलिए कसा हुआ लिखने पर ध्यान दें।

Q रिविजन कितनी बार जरूरी है?

यह आपकी जरूरत के हिसाब से है। अगर किसी सब्जेक्ट में कमजोर हैं, तो उस पर फोकस करें और ज्यादा से ज्यादा रिविजन करें। सैंपल पेपर्स की खूब प्रैक्टिस करें। कम से कम दो से तीन बार रिविजन करें।